

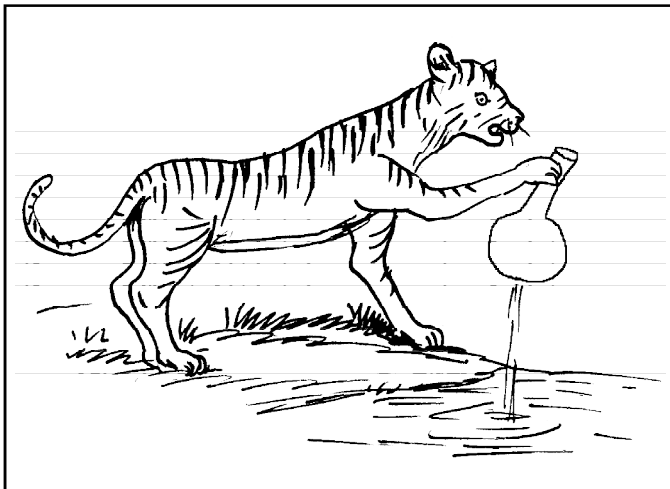


पाठ – चौदह

तीनों भाइयों की कहानी

देखभाल, कमजोर, मौत, परेशानी, तूम्बी, पोखर, छेद, डुबोना, शव, चूल्हा, गाड़ना, निर्णय, जंगल, नाखून, बेचारा, मुकाबला, तीर, निशाना, जीतना, घोषणा, अधिकार, सृष्टि, चाटना, बारी, फूटना, प्यास, मृत्यु।

पुराने समय की बात है। सृष्टि के आरंभ में देवता, मनुष्य और बाघ भाई-भाई थे। तीनों भाई अपनी माँ की देखभाल बारी-बारी से करते थे। देवता और मनुष्य की बारी में उनकी माँ सुखी रहती थी। लेकिन, बाघ की बारी में वह कमजोर हो जाती थी। बाघ अपनी माँ को चाटता रहता था। धीरे-धीरे उनकी माँ मौत की ओर बढ़ने लगी।

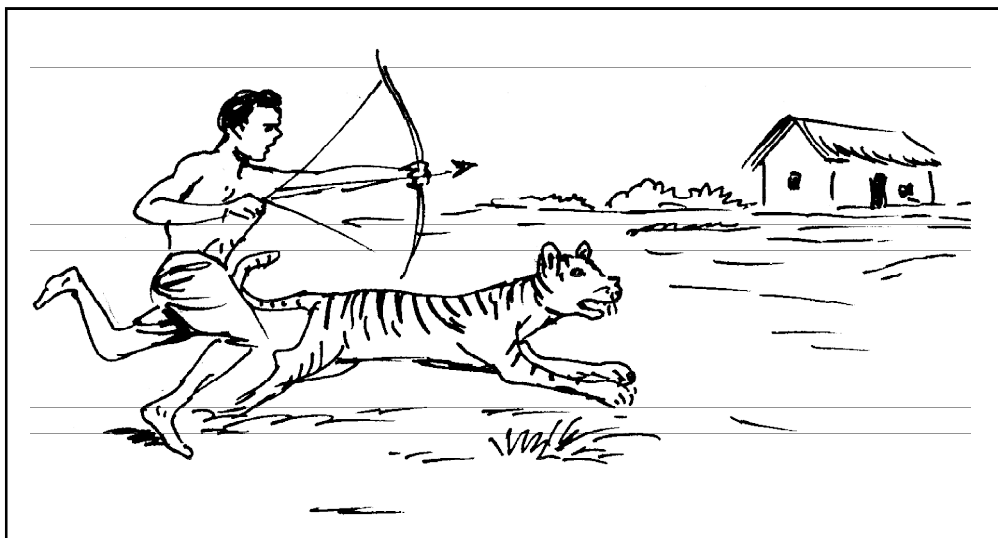


इस कारण देवता और मनुष्य को बहुत परेशानी हुई। दोनों ने एक उपाय सोचा। उन्होंने बाघ को पानी लाने के लिए एक फूटी हुई तूम्बी दी। देवता ने बाघ से कहा — “माँ को प्यास लगी है। इस तूम्बी में पानी भर कर ले आओ। खाली हाथ मत चले आना।” “हाँ, मैं पानी जरूर लाऊँगा।” बाघ ने उत्तर दिया और एक पोखर की ओर चला गया। बाघ ने पोखर के पानी में तूम्बी को डुबोया। पानी भर गया। बाघ ने तूम्बी को पानी से

बाहर निकाला। लेकिन उसमें छेद था। पानी से ऊपर उठाते ही उसके छेद में से सारा पानी बाहर निकल गया। बाघ ने तूम्बी को दुबारा पानी में डुबोया। ऊपर उठाते ही पानी फिर बाहर निकल गया। इस तरह बाघ बार-बार करता रहा। किन्तु, पानी नहीं भर सका। इसी बीच माँ की मृत्यु हो गई। देवता और मनुष्य ने माँ के शव को चूल्हे के नीचे गाड़ दिया। बाघ माँ के शव को नहीं खोज पाया।

अपनी माँ की मृत्यु के बाद तीनों भाइयों ने अलग-अलग रहने का निर्णय किया। देवता ने स्वर्ग को चुना। मनुष्य और बाघ में से एक को जंगल में रहना था, दूसरे को गाँव में। उनमें से कोई भी जंगल में नहीं रहना चाहता था। देवता ने एक उपाय निकाला। उसने एक धनुष और तीर बनाए। उसने बाघ से पूछा — “क्या तुम इसे लेना चाहोगे ? यह तुम्हारे काम आ सकता है।” बाघ ने उत्तर दिया — “नहीं, मुझे नहीं चाहिए। मेरे लिए दाँत और नाखून ही काफी हैं। इसे उस बेचारे मनुष्य को दे दो।”

देवता ने धनुष और तीर मनुष्य को दे दिया। दूसरे दिन देवता ने मनुष्य और बाघ के बीच दौड़ का मुकाबला आयोजित किया। घर से थोड़ी दूर एक पेड़ था। उस पेड़ के पास बाघ और मनुष्य खड़े थे। दौड़ शुरू हो गई। बाघ घर की ओर तेजी से दौड़ने लगा। देवता ने मनुष्य से घर की ओर तीर चलाने को कहा। तीर बाघ से पहले घर पर लग गया। देवता ने मनुष्य के जीतने की घोषणा कर दी।



मनुष्य को गाँव में रहने का अधिकार मिला। बाघ को रहने के लिए जंगल में जाना पड़ा। उस दिन से देवता, मनुष्य और बाघ अलग-अलग रहने लगे।

प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—

देखभाल	=	संरक्षण, निरीक्षण।
कमजोर	=	दुर्बल, कम ताकत वाला।
मौत	=	मृत्यु, मर जाना।
परेशानी	=	व्याकुलता, उद्विग्नता।
तूम्बी	=	सूखे कद्दू का बनाया हुआ जल पात्र।
पोखर	=	तालाब, जलाशय।
छेद	=	छिद्र।
डुबोना	=	पानी या तरल चीज की सतह के नीचे किसी वस्तु को ले जाना।
शव	=	मृत शरीर, लाश।
चूल्हा	=	मिट्टी का अथवा लोहे का बना हुआ वह आधार जिसमें आँच रख कर पकाने का काम होता है।
गाड़ना	=	जमीन में गड़ढा खोद कर उसमें कोई चीज रख कर मिट्टी से ढाँपना।
निर्णय	=	उचित-अनुचित का विचार करना, फैसला।
जंगल	=	वन, अरण्य।
गाँव	=	ग्राम।
नाखून	=	ऊँगली के सिरे पर का कठोर चिकना भाग।
बेचारा	=	जिसका कोई नहीं, दीन, निःसहाय।
मुकाबला	=	तुलना, मुठभेड़, प्रतियोगिता।
तीर	=	बाण, नद या नदी आदि का किनारा।
निशाना	=	लक्ष्य।
जीतना	=	विजय प्राप्त करना, सफलता प्राप्त करना।
घोषणा	=	ऊँची आवाज में सूचना देना।
अधिकार	=	प्राकृतिक न्यायानुसार कोई कार्य करने का मौलिक विकल्प।

2. उत्तर दो :—

- (क) सृष्टि के आरंभ में कौन-कौन भाई-भाई थे ?
- (ख) तीनों भाई अपनी माँ की देखभाल कैसे करते थे ?
- (ग) माँ मौत की ओर क्यों बढ़ने लगी ?
- (घ) देवता और मनुष्य को क्यों परेशानी हुई ?
- (ङ) देवता और मनुष्य ने बाघ को क्या दिया ?
- (च) बाघ पानी क्यों नहीं भर सका ?
- (छ) माँ के शव को कहाँ गाड़ दिया गया ?
- (ज) माँ की मृत्यु के बाद तीनों भाइयों ने क्या निर्णय किया ?
- (झ) रहने के लिए स्वर्ग को किसने चुना ?
- (ञ) देवता ने बाघ से क्या पूछा ?
- (ट) दौड़ के मुकाबला का आयोजन क्यों किया गया ?
- (ठ) पेड़ के पास कौन-कौन खड़े थे ?
- (ड) देवता ने मनुष्य से क्या करने को कहा ?
- (ढ) मुकाबला में किसकी जीत हुई ?
- (ण) मनुष्य को कहाँ रहने का अधिकार मिला ?
- (त) बाघ को रहने के लिए कहाँ जाना पड़ा ?
- (थ) मणिपुर के प्रसिद्ध लोक कथाओं के नाम लिखो ।

3. वाक्य बनाओ :—

- परेशानी -----
- पोखर -----
- चूल्हा -----
- गाड़ना -----
- निर्णय -----
- नाखून -----

मुकाबला -----

अधिकार -----

बेचारा -----

निशाना -----

4. तालिका को देखो और वाक्य बनाओ :—

देवता मनुष्य बाघ	ने को	स्वर्ग को चुना। गाँव में रहने का अधिकार मिला। धनुष और तीर मनुष्य को दे दिया। रहने के लिए जंगल में जाना पड़ा। मनुष्य के जीतने की घोषणा कर दी।
------------------------	----------	--

.....

.....

.....

.....

.....

5. सही कथन के आगे (✓) का निशान और गलत कथन के आगे (x) का निशान लगाओ:—

(क) तीन भाई अपनी माँ की देखभाल बारी-बारी से करते थे।

(ख) बाघ अपनी माँ को चाटता रहता था।

(ग) बाघ पानी भर कर लौट आया।

(घ) बाघ माँ के शव को खोज पाया।

(ङ) देवता ने एक धनुष और तीर बनाए।

6. खाली जगह भरो :—

- (क) देवता और मनुष्य की सुखी रहती थी।
(ख) बाघ ने तूम्बी को निकाला।
(ग) इसी बीच हो गई।
(घ) घर से थोड़ी
(ङ) उस दिन से और रहते हैं।

7. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ो और रेखांकित शब्दों पर ध्यान दो :-

- (क) मोहन ने राधा से करुणा से भरी कथा सुनी।
(ख) गन्ने में मिठास है।
(ग) कागज में सफेदी है।
(घ) राम मेरे बचपन का दोस्त है।
(ङ) बेटे ने अपने पिता से क्षमा मांगी।

ऊपर के रेखांकित शब्द करुणा, मिठास, सफेदी, बचपन, क्षमा आदि किसी न किसी भाव, गुण, दशा आदि के नाम हैं। इन शब्दों को हिन्दी व्याकरण में भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

8. इस पाठ से भाववाचक संज्ञाएँ निकालकर लिखो :

.....
.....
.....
.....